दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 मारकंडेय यादव को सीएम योगी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

5 छत पर टहल रही थी विवाहिता, सीढ़ी से छत पर चढ़ा मनबढ- गला रेतकर की हत्या

8 ललित मोदी ने क्यों खोया आपा

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 41 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 06 अप्रैल, 2026

महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन, शामिल हुए योगी और मोहन यादव

ऑनलाइन बैठक में 60 देश शामिल

भारत बोला- हम अकेले जिसने होर्मुज में नाविक खोए, इस संकट का समाधान बातचीत से ही संभव

ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए एक बड़ी ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए।

होर्मुज बंद रहा तो भी परेशानी नहीं: पीएम मोदी

तेल-गैस सप्लाई के लिए क्या नई योजना बना रहे खाड़ी देश, भारत को कैसे फायदा

दिल्ली,एजेंसी । इस्राइल और अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमले शुरू किए जाने के एक महीने बाद भी युद्ध खत्म नहीं हुआ है। हालांकि, इस बीच ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किए जाने की वजह से दुनिया में ऊर्जा संकट जरूर खड़ा हो गया। यूरोप से लेकर एशिया तक कई देशों को होर्मुज के बंद होने की वजह से अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्रबंधित करना पड़ रहा है। साथ ही तेल–गैस की आपूर्ति करने वाले देशों को भी मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं। इस्राइल–अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (2 अप्रैल) को एलान किया कि ईरान में अपने लक्ष्य पूरे करने के बाद ही उनकी सेना इस युद्ध से बाहर निकलेगी। उन्होंने कहा कि इस काम में दो से तीन हफ्ते का समय लग सकता है। इस बीच अपनी ऊर्जा सप्लाई के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर खाड़ी देश, जैसे– संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत, आदि इसके आगे भी बंद रहने की संभावना को देखते हुए तेल–गैस पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार कर रहे हैं। जिन योजनाओं पर विचार किया जा रहा है, उनमें से एक योजना खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से बनाई गई थी। हालांकि, इस पर लंबे समय से काम अटका है। आइये जानते हैं कि खाड़ी देश अब होर्मुज से आगे व्यवस्था पर विचार क्यों कर रहे हैं? जिन वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार किया जा रहा है, वह क्या हैं? योजनाओं में भारत की क्या भूमिका रही है? अगर योजना जमीन पर उतरती है तो इससे भारत को क्या फायदा होगा?

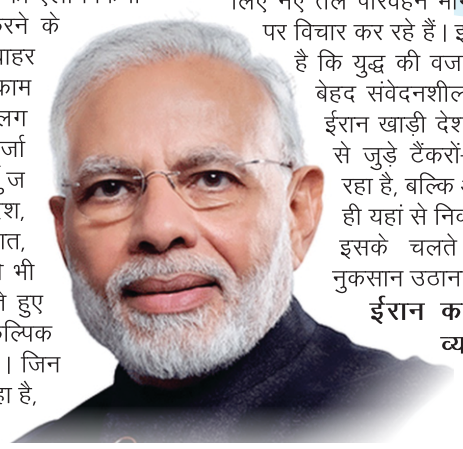

खाड़ी देश अब होर्मुज आगे व्यवस्था पर विचार क्यों कर रहे हैं?

खाड़ी देश होर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास करने के लिए नए तेल परिवहन मार्गों और पाइपलाइन नेटवर्क पर विचार कर रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि युद्ध की वजह से यह अहम समुद्री मार्ग बेहद संवेदनशील हो गया है। यहां न सिर्फ ईरान खाड़ी देशों के तेल–गैस और आपूर्ति से जुड़े टैंकरों–जहाजों को निशाना बना रहा है, बल्कि अपनी मर्जी से कुछ देशों को ही यहां से निकलने की अनुमति दे रहा है। इसके चलते खाड़ी देशों को खासा नुकसान उठाना पड़ा है।

ईरान का बढ़ता नियंत्रण और व्यवधान

अमेरिका–इस्राइल हमलों के बाद ईरान ने इस संकरे जलमार्ग को चुनिंदा तरीके से बंद घोषित कर दिया। इसका असर यह हुआ कि यहां से गुजरने वाले यातायात में 95: से ज्यादा की गिरावट आई। अब इस मार्ग से गुजरने वाले किसी भी जहाज को तेहरान की पूर्व–मंजूरी लेनी पड़ती है, जिससे खाड़ी देशों के निर्यातकों पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संकट

शांति के समय में दुनिया भर के 20: तेल और गैस (लगभग 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन) की आपूर्ति इसी जलडमरूमध्य से होती है। इस मार्ग में रुकावट पूरी दुनिया की आपूर्ति और खाड़ी देशों के खजाने को प्रभावित कर रही हैं।

इसके कारण कच्चे तेल की कीमतों के साथ–साथ शिपिंग और बीमा की लागत में भी भारी उछाल आया है। इसका पूरा असर यह है कि अधिकतर देशों में तेल–गैस की कीमतें आसमान छू रही हैं।

एकल चोकपॉइंट पर निर्भरता खत्म करना

अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों को एहसास हो गया है कि वे अपने निर्यात के लिए केवल एक चोकपॉइंट पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। उनका मानना है कि भविष्य की स्थिरता के लिए पाइपलाइनों, रेलवे और सड़कों का एक वैकल्पिक और व्यापक नेटवर्क बनाना ही एकमात्र व्यावहारिक उपाय है। इससे ये देश दूसरों की तरफ से खड़ी की गई रुकावटों से निपट सकेंगे और अपने फैसले खुद कर सकेंगे।

ग्रीन सानवी टैंकर होर्मुज पार 46,000 टन LPG लेकर भारत की ओर

"मंत्री अनिल राजभर अनुभवहीन हैं हमारे आगे बच्चा, हम उनके चच्चा हैं"

"उन्हें गंभीर होना चाहिए" : ट्रंप के मज़ाक उड़ाने पर भड़के मैक्रों

ट्रंप ने बुधवार को एक निजी समारोह में मैक्रों पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि मैक्रों की पत्नी उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार करती हैं. मैक्रों ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया से कहा, "ट्रंप बहुत ज़्यादा बोलते हैं३ उनकी बातें न तो शालीन हैं और न ही किसी स्तर की." उन्होंने कहा, "आपको गंभीर होना होगा. जब आप गंभीर होना चाहते हैं, तो आप हर रोज़ उस बात के ठीक उलटा नहीं कहते, जो आपने एक दिन पहले कही थी और शायद आपको हर रोज़ बोलना भी नहीं चाहिए"।

फैशन टीवी के नाम पर ठगी- पूरे देश में फैलाया था जाल

गोरखपुर,संवाददाता। पकड़े गए आरोपी पूरे देश में महत्वाकांक्षी उद्यमियों को निशाना बनाते थे और उन्हें फैशन टीवी ब्रांडेड बार, लाउंज, कैफे या सलून फ्रेंचाइजी का मालिक बनने का वादा करते थे। इसके बाद उन्हें मुंबई के सांताक्रूज स्थित सिंडिकेट के दफ्तर में बुलाया जाता था और फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 12.50 लाख से एक करोड़ रुपये तक लिए जाते थे। समझौते पेपर पर जाली हस्ताक्षर कर उन्हें थमा दिया जाता था।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक की विले पार्ले शाखा में लोगों से रुपये मंगाते थे। एफ बार बाय फैशन टीवी की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर देशभर में करोड़ों की ठगी के तीन आरोपियों को रामगढ़ताल पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में खुद को कंपनी का प्रबंध निदेशक बताने वाले काशिफ खान उर्फ कशीफ सरदार हाशिम खान मलिक, ऑपरेशन हेड कृष्णा देवी और वित्त नियंत्रक नवीन आहूजा उर्फ नवीन सर आहूजा शामिल हैं। रामगढ़ताल पुलिस आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर शहर ला रही है और जल्द ही मामले का पर्दाफाश करेगी। मामले में एक आरोपी वैभव मणि त्रिपाठी पहले ही जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक महिला कर्मचारी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

मामले की शिकायत जूही सिंह पत्नी राकेश सिंह, निवासी शिवपुर कॉलोनी, रामगढ़ताल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से की थी। जूही सिंह पार्क हॉस्पिटैलिटी नामक फर्म संचालित करती हैं, जिसमें वैभव मणि त्रिपाठी और करुणेश प्रताप शाही अंशधारक थे। आरोप है कि वैभव ने खुद को फैशन टीवी प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित बताते हुए कानपुर और गोरखपुर में 'एफ बार बाय फैशन टीवी' की फ्रेंचाइजी दिलाने का प्रस्ताव दिया।

सम्पादकीय

बंगाल में मुस्लिम मतों का रुझान

पश्चिम बंगाल चुनाव का एक प्रमुख विश्लेषण हमेशा मुस्लिम मतों पर केंद्रित रहता है। कई वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निरंतर विजय में मुस्लिम मतों की प्रमुख भूमिका मानी जाती रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार बंगाल की आबादी करीब 9.13 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम लगभग 2.5 करोड़ थे। इस समय बंगाल की कुल जनसंख्या 10.5 करोड़ से ऊपर होगी, जिसमें मुस्लिम तीन करोड़ से अधिक हो सकते हैं। बंगाल में मुस्लिम बहुल जिले हैं मुर्शिदाबाद–66.3 प्रतिशत, मालदा–51.3, उत्तर दिनाजपुर–50, बीरभूम–37, दक्षिण 24 परगना–35.5 और नादिया–26.7 प्रतिशत।

यदि भाजपा जबरदस्त टक्कर देने के बावजूद पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सत्ता को नहीं हिला पाई तो उसका एक कारण मुस्लिम वोट भी थे। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर ने असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम से गठबंधन कर उसे आठ सीटें दी हैं। हुमायूं कबीर ने 182 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी के साथ सौ से ज्यादा सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। पिछली बार फुरफुरा शरीफ के इमाम ने भी अपनी पार्टी बनाकर कांग्रेस और वाम मोर्चा के साथ गठबंधन किया था, पर उनका भी प्रभाव नहीं पड़ा और मुसलमान कुल मिलाकर तृणमूल के साथ ही गए। मुसलमान भाजपा को हराने के लिए मतदान करते हैं।

प्रश्न है कि इस बार मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति किस ओर रहेगी? अगर पिछले विधानसभा चुनाव को आधार बनाएं तो मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना जैसे जिलों में 85 ऐसी सीटें हैं, जिन पर मुस्लिम जनसंख्या 35 प्रतिशत से ज्यादा है। इनमें से 75 सीटें तृणमूल के पास हैं। जितनी आक्रामक होकर तृणमूल मुसलमानों के साथ खड़ी होती है, उससे उनका ध्रुवीकरण उसके पक्ष में बनता है। मुर्शिदाबाद में पिछले वर्ष हिंदू विरोधी भयानक दंगे में जब लोग पलायन करने को मजबूर थे, तब ममता कोलकाता में इमामों और मौलवियों की सभा में दंगों के लिए भाजपा और आरएसएस को दोषी ठहरा रही थीं। बंगाल में सीएए विरोधी आंदोलन के समय भी भारी हिंसा हुई थी, पर ममता सरकार ने उपद्रवियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की।

एनआरसी और सीएए का भय दिखाकर ममता मुसलमानों को आभास दिलाती रहती हैं कि उनके सत्ता में रहने से ही वे सुरक्षित हैं। मुसलमानों को साथ रखने के लिए भाजपा का भय उनका बहुत बड़ा अस्त्र है। 2011 के चुनाव में ममता ने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट लागू करने का वादा किया था। दो साल बाद उन्होंने घोषणा की कि रिपोर्ट का 90 प्रतिशत हिस्सा लागू किया जा चुका है। शायद ही किसी राज्य सरकार ने इतनी त्वरित गति से ऐसा किया हो। हर चुनाव में ममता मुसलमानों के लिए कुछ नई घोषणाएं करती हैं। आचार संहिता लागू होने से दो दिन पहले ही उन्होंने इमामों का भत्ता बढ़ाने की घोषणा की। मुस्लिम छात्र–छात्राओं की स्कालरशिप के लिए वे विशेष योजना चलाती हैं। चुनाव से पहले अंतरिम बजट में भी उनकी सरकार ने अल्पसंख्यक मामलों के लिए 5,700 करोड़ रुपये जारी किए।

मुसलमानों के सामने यह साफ है कि अगर तृणमूल हारती है तो सत्ता में भाजपा आएगी। इससे मुस्लिम मतों के तृणमूल के साथ जाने के ही संकेत मिलते हैं, किंतु हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी बंगाल में एक नया प्रयोग है। बाबरी मस्जिद की नींव रखते समय एकत्रित भारी भीड़ से माहौल भी बनता दिखा था। कबीर मुसलमानों के बीच अपने चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने अपने कुल 291 उम्मीदवारों में 47 मुस्लिम उतारे हैं। यानी करीब 18 प्रतिशत। पिछली बार की तरह ममता ने मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों से भी हिंदू प्रत्याशी उतारे हैं। वस्तुतः ममता ने मुसलमानों को बहुत ज्यादा टिकट कभी नहीं दिए। इसे हुमायूं कबीर, ओवैसी और अन्य मुस्लिम नेता मुद्दा बना रहे हैं। कहना कठिन है कि यदि हुमायूं कबीर का गठबंधन सौ से ऊपर सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी खड़ा करता है तो उसका कुछ तो असर होगा ही। हुमायूं कबीर और ओवैसी वक्फ संशोधन कानून को मुद्दा बना रहे हैं, जिसे कभी लागू न करने की घोषणा करने वाली ममता ने अंततः उसे चुपचाप लागू कर दिया। कांग्रेस सहित कई दलों के नेता हुमायूं कबीर की पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसका भी कुछ असर हो सकता है।

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात–बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013–14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था।

लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10,640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल–डीजल खरीदना पड़ेगा।

बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल–डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा–एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है।

तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरुआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90–91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरुआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है। इसके बावजूद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बयान आया है कि 'रुपया' ठीक चल रहा है। 2022 में उन्होंने अपना 'आर्थिक दर्शन' देश के सामने पेश किया था कि 'रुपया' कमजोर नहीं हुआ है, बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है।

हालांकि 'रुपए' के अवमूल्यन का युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं है, लेकिन हमारा आयात युद्ध के कारण महंगा होता जा रहा है, तो हमें आयात के लिए ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। बेशक भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार 700 अरब डॉलर के करीब है और यह 10 माह के आयात के लिए पर्याप्त है, लेकिन हमें आगे की योजना भी तैयार करनी चाहिए। भारत की उम्र मात्र 10 माह नहीं है। इस स्थिति पर भारतीय स्टेट बैंक की एक रपट सामने आई है, जिसमें 'रुपए' की गिरावट के कुछ कारणों को गिनाया गया है। रपट में माना गया है कि 'रुपए' को अब 'शॉक एब्जॉर्बर' बना कर छोडना सही नहीं है। इसका उलटा असर पड़ रहा है। सुझाव दिया गया है कि रिजर्व बैंक को विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल करके 'करेंसी मार्केट' में आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करना जरूरी है। रिजर्व बैंक को छोटी अवधि के बॉन्ड बेच कर लंबी अवधि के बॉन्ड खरीदने चाहिए। ब्याज दर संतुलित रहेगी। बहरहाल यह मुद्दा ऐसा है, जिस पर प्रधानमंत्री को कैबिनेट में विमर्श कर देश को संबोधित करना चाहिए। जहां तक विकास की बात है, भारत अभी अमरीका की तुलना में चवन्नी और चीन की तुलना में अठन्नी के बराबर है। तात्पर्य यह है कि भारत को विकास की दृष्टि से अभी लंबा सफर तय करना है। महज यह कह कर बात नहीं बनेगी कि भारत में विकास दर विश्व के अन्य देशों की तुलना में ज्यादा है। हर आदमी तक रोजगार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना अभी शेष है।

तूफान कहां–कहां है

हिमाचल में ज्यादा तूफान कहां है। क्या मुख्य सचिव संजय गुप्ता के स्पष्टीकरण ज्यादा तूफानी हैं या उन पर लगे आरोप। क्या दो अन्य पूर्व मुख्य सचिव आरडी धीमान व प्रबोध सक्सेना दूध के धुले हैं या हिमाचल में बिकती जमीन सफेद है। इस छत पर पंछियों की गंदगी पड़ी है, फिर भी पंख उजले रहे हैं। हम इन चि–ों में हिमाचल का मकसद खोजें या यह मान लें कि अब सारे अवतार पुरुष मिट्टी से सने मिलेंगे।

मामला निजी जमीनों की खरीद और जमीन की खरीददारियों में अनुमतियों का है, तो काजल की दुकान पर सफेद परिंदे बच के निकल रहे हैं। आश्चर्य यह नहीं कि कौन किसे, क्या कह रहा, बल्कि अफसोस यह है कि सारी मर्यादा की चटनी सरेआम बिक रही है। इसी के परिप्रेक्ष्य में नीति अगर गौण और निर्देश खामोश हो रहे हैं, तो सुशासन की पलकों पर चढ़ा मोम कौन हटाएगा। हिमाचल की आबरू जमीन पर है, तो परवाणू–शिमला मार्ग की तमाम जमीनों की बिक्री का ऑडिट जरूरी है। कुछ इसी तरह गगरेट और गगल एयरपोर्ट के समीप जमीनों की बिक्री ने आशंकाओं का दबाव बढ़ाया, तो सुक्खू सरकार ने इस संदर्भ में जांच बैठा दी है। विकास के साथ, विकास के समीप और विकास के संदर्भों में जमीनों के सौदों ने हिमाचल की प्रवृत्ति बदल दी है।

बहरहाल शिमला की हलचल ने प्रदेश को चकित ही नहीं किया, बल्कि यह एहसास दिलाया कि अब हर तरह के प्रभाव के हाथ लंबे होते जा रहे हैं। इसी बीच सबसे बड़ा तूफान एंट्री टैक्स के जमा और घटाव में नजर आया।

हिमाचल के आर्थिक हितों की सरहद बार्डर पर बिछ गई, तो ताज्जुब यह कि एक दिन पहले के निर्देश प्रवेश नाकों पर अमल में क्यों नहीं आए। हालांकि मंगलवार को ही हिमाचल सरकार ने एंट्री टैक्स की गिरफ्त बढ़ी हुई दरें वापस ले लीं, लेकिन संबंधित निर्देशों का पुलिंदा राजधानी में रह गया। नतीजतन अवांछित माहौल की मुनादी में बार्डर एरिया में तमाशा होता रहा। इससे बचा जा सकता था। ऐसे में हिमाचल को शिमला में या शिमला से देखने वाला तंत्र या तो नींद में है या इस भ्रम में है कि प्रदेश को चलाना उनके दाएं हाथ का खेल है। बार्डर एरिया की तपिश के कई मजमून एक मामूली से एंट्री टैक्स की वृद्धि ने परोस दिए, तो समझना यह होगा कि सिर्फ सचिवालय की फाइलें घुमा कर सुशासन की सुगंध नहीं आ सकती। यह दुर्भाग्यपूर्ण मंजर था कि सरकार के फैसले के बावजूद बुधवार को हिमाचल के बार्डर एरिया क्रांति के रंग में रहे। जाहिर है शिमला के आगोश में बैठे उच्च अधिकारी तो एक दूसरे की अंगुलियां मरोड़ते–मरोड़ते अपने दस्तखत करना भूल गए। यह कौन सी व्यस्तता है कि उच्च स्तरीय अधिकारी अपने–अपने चरित्र का वर्णन करते हुए, राज्य के सरोकारों को छोटा कर रहे हैं।

अगर युद्ध के मैदान पर दो पूर्व मुख्य सचिव एवं एक वर्तमान मुख्य सचिव है, तो इस मुकाबले से पूरा राज्य अभिशप्त हो रहा है। हम किस पर भरोसा करें। उस शिकायत पर जो मुख्य सचिव को अपराध की धाराओं में ले जा रही है या उस वक्तव्य पर जो मुख्य सचिव के आरोपों के तीर से दो पूर्व मुख्य सचिवों को लहूलुहान कर रहा है। हम सत्य की गवाही में किसी को भी दोषी नहीं ठहरा सकते, मगर इस तूफान की हरकतों से प्रदेश की छत हिलने लगी है। राज्य का चरित्र अगर अधिकारियों के बीच छीना झपटी का सबब बन जाए तो सुशासन की हर डाल को लुटेरों से बचाएगा कौन?

प्रशिक्षकों को नकद ईनाम कब

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है? कबड्डी में भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी सहित कई खिलाडियों को कोच रतन ठाकुर ने तराशा है तथा दर्जनों अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी तैयार करने वाली कोच स्नेह लता क्या वह नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं। इसी तरह अन्य खेलों के प्रशिक्षक भी हैं। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए–नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है, जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाले प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज मस्ती कर रहा है वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है। खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां–बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है।

मारकंडेय यादव को सीएम योगी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह करीब सवा दस बजे लुहसी स्थित मारकंडेय यादव के आवास पर पहुंचे। उन्होंने स्मृतिशेष के पार्थिव शरीर चित्र पर पुष्प और पुष्पचक्र चढ़ाया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने दिवंगत की आत्मा की चिर शांति के लिए महायोगी गुरु गोरखनाथ से प्रार्थना की।

गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त, वरिष्ठ समाजसेवी, पिपराइच के लुहसी गांव के निवासी मारकंडेय यादव के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार सुबह लुहसी स्थित उनके पैतृक आवास पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मारकंडेय यादव का बुधवार सुबह गुरुग्राम के मेदांता

सीएम योगी ने पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी

अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उनकी गोरक्षपीठ के प्रति अगाध श्रद्धा थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह करीब सवा दस बजे लुहसी स्थित मारकंडेय यादव के आवास पर पहुंचे। उन्होंने स्मृतिशेष के पार्थिव शरीर चित्र पर पुष्प और पुष्पचक्र चढ़ाया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने दिवंगत की आत्मा की चिर शांति के लिए महायोगी गुरु गोरखनाथ से प्रार्थना की। सीएम योगी ने स्वर्गीय मारकंडेय यादव के परिजनों, पत्नी गुड्डी यादव 'लक्ष्मी, पुत्रद्वय संजीव यादव व विशाल यादव, भाई हरेंद्र यादव, पुत्री वंदना यादव, दामाद हिमांशु यादव आदि से आत्मीयता से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के सभापति संतराज यादव, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, पिपराइच नगर पंचायत के चेयरमैन संजय मद्धेशिया, वरिष्ठ नेता राधेश्याम सिंह, आनंद शाही, रणविजय सिंह मुन्ना आदि भी मौजूद रहे।

राजस्व वसूली में गोरखपुर नगर निगम ने रचा इतिहास

संवाददाता, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के शहरी विकास और आर्थिक प्रबंधन के क्षेत्र में गोरखपुर नगर निगम ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान राजस्व वसूली के मामले में गोरखपुर नगर निगम पूरे प्रदेश में पहले पायदान पर रहा है। नगर निगम ने इस बार 200 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व वसूली कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि के साथ गोरखपुर नगर निगम ने न सिर्फ प्रदेश में अपनी पहचान मजबूत की है, बल्कि अन्य नगर निकायों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पिछले वित्तीय वर्ष (2024–25) में नगर निगम की राजस्व वसूली का आंकड़ा मात्र 110 करोड़ रुपये था। महज एक साल के भीतर निगम ने अपनी आय में लगभग 90 करोड़ रुपये का इजाफा किया है। इस ऐतिहासिक वृद्धि के पीछे नगर आयुक्त का बेहतर टैक्स प्रबंधन, डिजिटलीकरण और अवैध निर्माणों पर सख्ती को मुख्य कारण माना जा रहा है। संपत्ति कर, जल कर और अन्य शुल्कों की वसूली में सुधार के लिए विशेष अभियान चलाए गए थे। बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जागरूकता अभियानों ने भी राजस्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेहतर प्रदर्शन से खुलेंगे अतिरिक्त फंड के रास्ते

राजस्व में हुई इस वृद्धि का सीधा असर गोरखपुर की बुनियादी सुविधाओं पर पड़ेगा। अतिरिक्त फंड मिलने से शहर के प्रमुख चौराहों का विकास, स्मार्ट लाइटिंग और वार्डों में साफ–सफाई के संसाधनों को और बेहतर बनाया जा सकेगा। दरअसल, राज्य सरकार की नई नीतियों के अनुसार, अब नगर निकायों को मिलने वाला विकास फंड उनकी कार्यक्षमता और राजस्व वसूली से जोड़ दिया गया है। गोरखपुर नगर निगम के इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत अब शहर को मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना और सीएम ग्रिड (मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम) जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के तहत भारी–भरकम अतिरिक्त बजट मिलेगा। इनका सीधा लाभ शहर की सड़कों, ड्रेनेज सिस्टम और सुंदरीकरण समेत अन्य योजनाओं को मिलेगा।

गोरखपुर में आखिरी चरण में पहुंच चुके 20 प्रोजेक्ट की निगरानी बढ़ी

संवाददाता, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद शहर के पहले सिक्सलेन पुल सहित आखिरी चरण में पहुंच चुकीं 20 से अधिक परियोजनाओं की निगरानी प्रशासन ने तेज कर दी है। इन परियोजनाओं के पूरा होने तक अब हर सप्ताह इनकी प्रगति जांची जाएगी। खुद कमिश्नर अनिल ढींगरा और डीएम दीपक मीणा इसकी निगरानी करेंगे। इनमें से करीब आधी परियोजनाएं तक इस माह या मई तक पूरी हो जाएंगी। इनके लोकार्पण की भी तैयारी शुरू हो गई है।

पैडलेगंज– टीपी नगर सिक्सलेन पुल इस महीने के आखिरी या 15 मई तक वाहनों के लिए खोल देने का दावा किया जा रहा है। पुल के दोनों तरफ एप्रोच का चल रहा निर्माण पखवारे भर में पूरा हो जाएगा जबकि देवरिया बाईपास ओवरब्रिज को सिक्सलेन ओवरब्रिज से मिलाने का काम 30 अप्रैल तक।

मिर्जापुर घाट हादसा सीएम योगी ने हादसे का लिया संज्ञान

घाटों की सुरक्षा व राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश

गोरखपुर,संवाददाता। इसके अलावा, गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार को सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विकास से जुड़े निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने के साथ समय से पूरा कराने को कहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के मिर्जापुर घाट हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि तत्काल मौके पर संबंधित अधिकारी पहुंचे। बच्चों के राहत बचाव कार्य में तेजी लाएं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने आगामी पर्वों को देखते हुए सभी घाटों पर सुरक्षा के इंतजाम करने के दिए भी निर्देश दिए।

इसके अलावा, गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार को सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विकास से जुड़े निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने के साथ समय से पूरा कराने को कहा। सीएम ने कहा कि किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जो परियोजनाएं दो तिहाई से अधिक पूरी हो चुकी हैं उन्हें मानसून की दस्तक से पहले फाइनल कराएं। इस बात का ख्याल रखें कि बरसात

होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए। सीएम योगी बुधवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यह संकेत भी दिए कि वह अपने अगले दौरे पर घंटाघर के बंधु सिंह पार्क बने मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण और पांडेयहाता क्षेत्र में बनने वाले नए कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास कर सकते हैं।

सीएम ने कहा कि हर विकास परियोजना की एक समय सीमा तय होती है और उसे उसी अवधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाए। यह व्यावहारिक रूप से समझना होगा कि बरसात का मौसम शुरू होने पर खुले में होने वाला निर्माण कार्य प्रभावित होता है इसलिए विकास की जितनी भी परियोजनाओं पर काम चल रहा है, उनसे संबंधित अधिकाधिक निर्माण कार्य बरसात से पहले पूरे कर लिए जाएं। समय रहते सभी नालों की सफाई का काम पूरा करने का निर्देश देने के साथ सीएम योगी ने कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए गोड़धोइया नाला परियोजना पर गंभीरता से ध्यान देकर इसे जल्द पूर्ण कराने का प्रयास हो। समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने कहा कि अभी बारिश का मौसम शुरू होने में समय है लेकिन समय रहते यह सुनिश्चित करना होगा कि बरसात होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए।

जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी अच्छा काम हुआ है, इसे लगातार उत्कृष्टता की ओर ले जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विरासत गलियारा के निर्माण की प्रगति, घंटाघर स्थित बंधु सिंह पार्क में बने मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स की अद्यतन स्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने पांडेयहाता में बनने वाले नए कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स की कार्ययोजना के बारे में पूछा।

उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि वे अपने स्तर पर लोकार्पण और शिलान्यास की पूरी तैयारी रखें। सीएम योगी ने पटरी कारोबारी के व्यवस्थित पुनर्वास पर जोर देते हुए यह निर्देश भी दिए कि पटरी व्यापारियों को वेंडिंग जोन में सम्मानजनक जगह और पूरी सहूलियत दी जाए।

मदनपुर में डोरी से गला कसकर छात्रा की हत्या

कोहराम, प्रेम–प्रसंग से जोड़कर देख रहे लोग

देवरिया,संवाददाता। काजल की हत्या को लोग प्रेम–प्रसंग से जोड़कर देख रहे हैं। जबकि आरोपी द्वारा थाने पर आत्मसमर्पण किए जाने की बात सामने आ रही है। मौके पर पहुंची फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाया। वहीं अधिकारियों ने भी घटना का जायजा लिया। बरांव गांव के दलित बस्ती निवासी शिवानंद प्रसाद की पुत्री और बीए की छात्रा काजल का शव बृजेश प्रसाद के घोठ्ठे पर कमरे में मिला।

लोगों के अनुसार काजल के गले पर काले रंग का गहरा, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान थे। क्षेत्र के बरांव दलित बस्ती निवासी बृजेश प्रसाद के घोटा घर (पशुओं के रहने की जगह) पर कमरे में बृहस्पतिवार की सुबह मोहल्ले की काजल 20 वर्ष पुत्री शिवानंद प्रसाद का शव मिला। जानकारी होने पर मोहल्ले के लोग जुट गये। जबकि रोना–पिटना मच गया।

सूचना पर पहुंची मदनपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। काजल की हत्या को लोग प्रेम–प्रसंग से जोड़कर देख रहे हैं। जबकि आरोपी द्वारा थाने पर आत्मसमर्पण किए जाने की बात सामने आ रही है। मौके पर पहुंची फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाया। वहीं अधिकारियों ने भी घटना का जायजा लिया।

बरांव गांव के दलित बस्ती निवासी शिवानंद प्रसाद की पुत्री और बीए की छात्रा काजल का शव बृजेश प्रसाद के घोठ्ठे पर कमरे में मिला। लोगों के अनुसार काजल के गले पर काले रंग का गहरा, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान थे।शव के पास से पुलिस ने काले–सफेद रंग की रेशम की डोरी, सब्जी काटने वाला चाकू, प्रेग्नेंसी किट बरामद किया। जबकि मौके पर ईंट भी पड़ा था। काजल के मौत से मां राजमती देवी दहाड़ें मारने लगीं। वही परिवार के अन्य सदस्यों का रो–रो कर बुरा हाल था।

गोरखपुर की शिक्षिका ने ठानी तो दिव्यांग संतोष ने लिखी सफलता की कहानी, छात्रवृत्ति परीक्षा में लहराया परचम

गोरखपुर,संवाददाता। समावेशी शिक्षा की असली ताकत तब दिखाई देती है, जब एक शिक्षक किसी विद्यार्थी की जिम्मेदारी को अपना दायित्व मान लेता है। जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालय डोहरिया, जंगल कौड़िया की यह कहानी उसी समर्पण का सशक्त उदाहरण है। जहां शिक्षिका इंदूबाला राय के अथक प्रयासों से दिव्यांग छात्र संतोष ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में जिले में 57वीं रैंक हासिल की। एक हाथ और पैर से दिव्यांग संतोष के लिए प्रतिदिन विद्यालय पहुंचना कठिन था। ऐसे में यदि उसे नियमित रूप से विद्यालय आने का अवसर न मिलता, तो उसकी पढ़ाई और तैयारी दोनों ही प्रभावित होतीं। इसे देखते हुए विद्यालय की शिक्षिका इंदूबाला राय ने इस चुनौती को अपनी जिम्मेदारी बना लिया। वे प्रतिदिन संतोष को उसके घर से विद्यालय और फिर विद्यालय से घर तक लाने–ले जाने का कार्य करती रहीं। यह सिर्फ एक मदद नहीं, बल्कि एक शिक्षक के कर्तव्य से कहीं आगे बढ़कर किया गया मानवीय प्रयास था। यदि वह अतिरिक्त समय और श्रम न देतीं, तो संतोष के लिए नियमित अध्ययन संभव नहीं हो पाता और शायद यह सफलता भी दूर रह जाती। विद्यालय ने भी संतोष के प्रति सहानुभूति नहीं, बल्कि समान अवसर और प्रतिस्पर्धा का वातावरण दिया। नोडल शिक्षक चंद्र प्रकाश के मार्गदर्शन और प्रधानाध्यापक संजय पांडेय के नेतृत्व में छात्र को सामान्य विद्यार्थियों की तरह ही पढ़ाया गया और प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयार किया गया।

छात्र की मेहनत के साथ–साथ शिक्षिका के इस समर्पण ने उसे वह आधार दिया, जिस पर वह अपनी सफलता की इमारत खड़ी कर सका। गणित और तर्कशक्ति में रुचि रखने वाले संतोष ने निरंतर अभ्यास से यह साबित किया कि सही मार्गदर्शन और सहयोग मिलने पर कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। बीएसए धीरेंद्र त्रिपाठी ने इस उपलब्धि को शिक्षक–छात्र संबंध की मिसाल बताते हुए कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था की असली ताकत हैं। जब शिक्षक किसी बच्चे की क्षमता पर विश्वास करता है, तो उसकी दिव्यांगता भी उसकी प्रगति को नहीं रोक सकती।

यूपी में अवैध किडनी कांड का पर्दाफाश

पांच से 10 लाख में खरीदते, एक करोड़ तक में बेचते, विदेशी समेत 50 की किडनी बदली

कानपुर,संवाददाता। अवैध किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने आईएमए उपाध्यक्ष, उसके पति और तीन अस्पताल संचालक समेत छह गिरफ्तार किए हैं। आरोपी जरूरतमंद से पांच से 10 लाख में किडनी खरीदते थे और उसे एक करोड़ रुपये तक में बेच देते थे।

अवैध रूप से किडनी की खरीद–फरोख्त कर ट्रांसप्लांट करने वाले गिरोह के तार विदेश तक फैले हैं। गिरोह ने पिछले दो साल में अवैध ढंग से 50 से अधिक मरीजों की किडनी ट्रांसप्लांट की। 3 मार्च को भी आहूजा हॉस्पिटल में दक्षिण अफ्रीका की महिला अरेबिका की अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी।

29 मार्च को इसी आहूजा अस्पताल में हुए अवैध ट्रांसप्लांट से गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

इसके बाद पुलिस ने गिरोह में शामिल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) कानपुर की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा, उसके पति डॉ. सुरजीत, दलाल शिवम अग्रवाल एवं तीन अस्पताल संचालकों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने 15 आरोपियों के खिलाफ मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है। गिरफ्तार आरोपियों में मेडलाइफ हॉस्पिटल का संचालक राजेश कुशवाहा, प्रिया हॉस्पिटल का संचालक नरेंद्र सिंह, आरोही हॉस्पिटल का संचालक राम प्रकाश कुशवाहा शामिल है।

अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट की सूचना मिली

किडनी रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि रावतपुर थाने के दरोगा को अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट की सूचना मिली थी। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने काकादेव के नवीन नगर निवासी आरोपी डॉक्टर दंपती के केशवपुरम रोड स्थित आहूजा हॉस्पिटल, कल्याणपुर आवास विकास–एक स्थित प्रिया हॉस्पिटल, पनकी–कल्याणपुर रोड स्थित मेडलाइफ हॉस्पिटल में छापा मारा। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि किडनी देने वाला युवक मूलरूप से बिहार का रहने वाला आयुष है। वह देहरादून में एमबीए के चौथे सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहा है जबकि किडनी लेने वाली मरीज मुजफ्फरनगर निवासी पारुल तोमर हैं। किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया आहूजा हॉस्पिटल में हुई थी। इसके बाद आरोपियों ने दोनों मरीजों को गॉल ब्लैडर (पित्त की थैली) की पथरी का मरीज बताकर मेडलाइफ और प्रिया हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया था।

पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें गिरोह के अन्य सदस्य व डॉक्टरों की तलाश में दिल्ली, नोएडा के लिए रवाना हो गई हैं। जांच के दायरे में आए तीन अन्य नर्सिंगहोम संचालकों को देर रात पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जांच में पता चला कि दलाल शिवम आठवीं पास है। वह खुद को डॉक्टर बताकर लोगों को फंसाता था।

दी का विवाद और थूक कर चाटने की बात, पेंटर ने बीवी और दो मासूम बच्चों का कत्ल कर खुद भी जान दी

मुजफ्फरनगर,संवाददाता। यूपी के मुजफ्फरगर से दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां ईदी के विवाद में पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या कर पेंटर ने खुदकुशी कर ली। पेंटर का शव फंदे से लटका था। फर्श पर पत्नी और बिस्तर पर दो बच्चों की लाश मिली है। मुजफ्फरनगर के थाना सिविल लाइन इलाके के सरवट में ईदी के 1500 रुपये के लिए शुरू हुए विवाद में एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई। पेंटर इरशाद (34) का कमरे में फंदे से लटका शव मिला। उसकी पत्नी नोरीन (30) की लाश फर्श और बेटे आहिल (02) और एक माह की बेटी अक्शा के शव बिस्तर पर पड़े मिले। एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच में परिवार की हत्या कर पेंटर के आत्महत्या करने का मामला सामने आ रहा है। बच्चों के मुंह से झाग निकला मिला है। आशंका है कि उन्हें जहर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह से स्पष्ट हो सकेगी। मुजफ्फरनगर के थाना सिविल लाइन इलाके के सरवट में ईदी के 1500 रुपये के लिए शुरू हुए विवाद में एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई। पेंटर इरशाद (34) का कमरे में फंदे से लटका शव मिला। उसकी पत्नी नोरीन (30) की लाश फर्श और बेटे आहिल (02) और एक माह की बेटी अक्शा के शव बिस्तर पर पड़े मिले।

एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच में परिवार की हत्या कर पेंटर के आत्महत्या करने का मामला सामने आ रहा है। बच्चों के मुंह से झाग निकला मिला है। आशंका है कि उन्हें जहर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह से स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, पेंटर के भाई ने उसके ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित करने की तहरीर दी है। पुलिस ने बताया कि भोकरहेड़ी की रहने वाली शाहीन चार दिन पहले अपने भाई इरशाद एवं नौशाद से ईद मिलने के लिए आई थी। पेंटर इरशाद ने बहन शाहीन को ईदी में 1500 रुपये दिए। इसी को लेकर उसकी पत्नी नोरीन ने झगड़ा शुरू कर दिया। ननद के जाने के बाद नोरीन ने मोहल्ला सुभाष नगर से अपनी बहन मनतशा, अर्शी, मां संजिदा और भाई जुनैद को बुला लिया। इसके बाद देर रात तक हंगामा होता रहा।

पड़ोसियों ने किसी तरह मामला शांत कराया था। पेंटर के घर में हलचल नहीं हुई। इसके बाद पास ही में रह रहा उसका भाई नौशाद उसके घर पहुंचा। इरशाद का कमरा बंद मिला तो दीवार में बने रोशनदान से झांक कर अंदर देखा तो पेंटर का शव फंदे से लटका हुआ था। शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हो गए। जब दरवाजा तोड़ा गया तो कमरे में पत्नी नोरीन का शव फर्श और बच्चों के शव बिस्तर पर पड़े थे।

बहन अर्शी बोली, नोरीन को पीटा गया था

पेंटर की पत्नी की बहन अर्शी ने कहा कि उसकी बहन को पीटा गया। आए दिन प्रताड़ित किया जाता था। ईदी को लेकर विवाद हुआ था।

थूक कर चाटने को कहा गया तो टूट गया इरशाद

पेंटर के भाई नौशाद ने थाना सिविल लाइन में उसकी ससुराल पक्ष के लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने और मान–सम्मान को ठेस पहुंचाने की तहरीर दी है। आरोप लगाया है कि झगड़े के दौरान पेंटर को थूककर चाटने के लिए कहा गया था। इस वजह से वह टूट गया था। ससुराल पक्ष के लोग मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न कर रहे थे। इसी वजह से इरशाद ने यह कदम उठाया है।

कमरे की कुंडी बंद मिली... हर बिंदु पर जांच कर रही पुलिस

पेंटर के कमरे की कुंडी बंद थी। परिवार के सदस्यों की लाश अंदर पड़ी थी। पत्नी और बच्चों की मौत जहरीले पदार्थ से हुई या गला दबाया गया, इसकी जांच की जा रही है। एसएसपी संजय वर्मा का कहना है कि फोरेंसिक टीम ने जांच की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आते ही वजह स्पष्ट होगी। पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।

रिश्ते लहूलुहान..कमजोर पड़ रही परिवार की डोर

पेंटर इरशाद के परिवार के चार सदस्यों की मौत से फिर रिश्तों की डोर कमजोर हुई। ऐसा पहली बार नहीं हुआ। पिछले दो महीने में ही जिले में कई घटनाएं हो चुकी है। पुलिस जांच में किसी भी घटना में कोई बड़ी बात सामने नहीं आई। परिवारों में रोजाना की कहासुनी के बाद बात बिगड़ गई। इसके बाद कहीं पिता की हत्या हुई तो कहीं बेटे की। कहीं भाई ने भाई को मारा।

आनलाइन गेमिंग का निकला पाकिस्तान कनेक्शन

आनलाइन गेमिंग ठगी गिरोह का पाकिस्तान कनेक्शन मिला
काल सेंटर से मिली डायरी में पाकिस्तानी नंबर
पुलिस पाकिस्तान सर्वर से गेम संचालन की जांच कर रही

संवाददाता, बरेली। ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पाकिस्तान कनेक्शन भी सामने आया है। किराए के मकान में चल रहे काल सेंटर से पाकिस्तान भी बात होती थी। मौके से बरामद डायरी में भी पाकिस्तान के कुछ नंबर मिले हैं। पुलिस इस एंगल पर जांच कर रही है, जिन नंबरों से गिरोह के सदस्यों की बात होती थी, वह ठगी के शिकार हुए या फिर गिरोह के एजेंट हैं।पुलिस के प्रतिबिंब पोर्टल पर शिकायत के आधार पर बरेली की साइबर पुलिस एक नंबर की जांच कर रही थी। वह नंबर इज्जतनगर के आशुतोष सिटी में एक्टिव दिखा रहा था।

उसी नंबर के आधार पर पुलिस ने जब छापेमारी की तो चौंक गई। वहां पूरा काल सेंटर संचालित था। पुलिस के पहुंचते ही मुख्य आरोपित गिरोह का सरगना मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सूर्याभान और विनीत बताए। उन्होंने बताया कि फरार शिवम उनका बास है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपित एवियेटर, वन एक्स वेट, क्रिक एक्स वेट, महादेव, महाकाल आदि नाम से 15 से अधिक ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट चलाते थे। उसी के नाम पर वह ठगी करते थे। आरोपित लोगों को फोन कर उन्हें ऑनलाइन गेम खेलने का झांसा देते हैं। उन्हें अलग–अलग गेमिंग साइट के लिंक उपलब्ध कराते हैं। इन्हें वह खुद ही आपरेट करते हैं।

शुरूआत में लालच के लिए वह लोगों को मुनाफा देते हैं ताकि लोग और ज्यादा इंवेस्ट करें। जब यूजर हजारों और लाखों रुपये लगाता तो उसे ब्लाक कर दिया जाता है। पैसे हड़प लेते हैं। पुलिस को 350 पन्नों से अधिक की एक डायरी मिली थी। इसी डायरी में कुछ नंबर पाकिस्तान के भी हैं।

पाकिस्तान के सर्वर से गेम संचालित होने की आशंका

पुलिस को आशंका है कि ऐसा तो नहीं कि आरोपित लोगों को जिन गेम का झांसा देकर ठगी करते थे, वह पाकिस्तान के सर्वर से चलाए जा रहे हों। पुलिस इस बिंदु की तकनीकी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले में और भी कई संदिग्ध आरोपितों को शामिल किया जा सकता है।

यूपी में दो दिन के नवजात के पेट में पल रहा था भ्रूण, डाक्टर हैरान

नवजात के पेट में मिला अर्ध विकसित भ्रूण
यह दुर्लभ स्थिति 'फीटस इन फीटू' कहलाती है
जौनपुर के चाइल्ड केयर अस्पताल में मामला

संवाददाता, जौनपुर । शाहगंज स्थित चाइल्ड केयर अस्पताल में नवजात के पेट में अर्ध विकसित भ्रूण मिलने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। इस दुर्लभ स्थिति ने डॉक्टरों को भी चौंका दिया है।

आजमगढ़ निवासी सुंदरी देवी ने वहां के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। नवजात की तबीयत बिगड़ने पर पिता चंदन बिंद उसे मंगलवार को शाहगंज के चाइल्ड केयर अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डा. महफूज अहमद ने जांच के बाद अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी।

रेडियोलाजिस्ट डा. फारूक अरशद द्वारा किए गए अल्ट्रासाउंड में नवजात के पेट के अंदर एक अर्ध विकसित भ्रूण होने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों के अनुसार यह स्थिति फीटस इन फीटू कहलाती है। यह एक अत्यंत दुर्लभ अवस्था है, जिसमें एक भ्रूण के भीतर दूसरा भ्रूण विकसित होने लगता है, लेकिन वह पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता। ऐसे मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं।

फिलहाल डॉक्टरों की टीम नवजात की हालत पर लगातार नजर रखे हुए है। डा. महफूज अहमद ने बताया कि समय पर सही इलाज मिलने से ऐसे मामलों को सफलतापूर्वक संभाला जा सकता है।

सीएम योगी ने 250 इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों को दिखाई हरी झंडी

बोले– बीते नौ साल में लखनऊ में जीवनस्तर बढ़ा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन हेतु 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने लखनऊ में बीते नौ साल में हुए विकास कार्यों का वर्णन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते नौ वर्षों में लखनऊ शहर के विकास को नई ऊंचाइयां मिली हैं। लखनऊ सिटी का दायरा बढ़ा और शहर को नया विस्तार मिला है। लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग में अच्छा स्थान प्राप्त किया है।

शहर में मेट्रो का संचालन हुआ है। इसके साथ ही सड़कों के चौड़ीकरण का मामला हो या फिर जलनिकासी का सबमें सुधार हुआ है। हम कह सकते हैं कि लखनऊ में लोगों का जीवनस्तर बढ़ा है। अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया गया है अब लखनऊ में भी इसी तर्ज पर सोलर पैनल लगाकर यह कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 5 कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन हेतु 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यूपी में घी की खुरचन से बनेगी उत्तराखंड की फेमस बाल मिठाई

बरेली,संवाददाता। डेरियों या घरों में देसी घी बनाने के बाद बचे हुए अवशेष (घी की खुरचन या माइयर) का क्या करते हैं...? सामान्यता इसे पशुओं के चारे में मिलाया जाता है या फेंक दिया जाता है। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आइवीआरआइ) के विज्ञानियों ने इसे बाल मिठाई का विकल्प बनाया है।

घी की इस खुरचन को वेस्ट टू वेल्थ (अपशिष्ट से संपदा) के तौर पर उपयोग किया जाएगा। इस पौष्टिक और स्वादिष्ट खाद्य का पेटेंट करा लिया गया है। इस तकनीक को बेचा जाएगा, फिर कंपनियां सामान तैयार कर बाजार में बिक्री कर सकेंगी। संस्थान में प्रतिदिन औसतन दो हजार लीटर दूध उत्पादन होता है। इसमें एक हजार लीटर की बिक्री होती है। शेष से विभिन्न उत्पाद बनाए जाते हैं। इसके लिए शोध का जिम्मा पशुधन उत्पादन तकनीक (एलपीटी) विभाग के पास है।

उत्तराखंड की बाल मिठाई के समान इसका स्वाद

विभाग की प्रधान विज्ञानी डा. गीता चौहान ने बताया कि घी की खुरचन पौष्टिक होती है। इसका भूरा रंग उत्तराखंड की प्रसिद्ध बाल मिठाई की तरह होता है। यहीं से विचार आया कि इससे बाल मिठाई बनाई जाए। इसके लिए घी की खुरचन को मशीन से सुखाकर पाउडर बनाया गया। खुरचन का 60 प्रतिशत हिस्सा एवं खोया (खोवा) का 40 प्रतिशत हिस्सा मिलाकर उसमें स्वादानुसार चीनी मिलाई गई। इसका स्वाद उत्तराखंड की बाल मिठाई के समान है।

पहले चरण में प्रयोग सफल होने के बाद इस उत्पाद को पैकेटबंद डिब्बे के तौर पर तैयार किया गया। घी की खुरचन और भूने गए खोये को मशीन के जरिये पाउडर में बदला। इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए कुछ तरल मिलाए।

इस तरह बाल मिठाई डिब्बाबंद पाउडर के रूप में तैयार की गई। यह चार–पांच महीने तक सुरक्षित रहती है। डा. गीता ने बताया कि इस प्रयोग से डेरी संचालकों को आय के अतिरिक्त साधन मिल सकेंगे। अभी तक बाल मिठाई पूरी तरह खोया से तैयार होती है। इस तकनीक के बाद खोया की जरूरत सिर्फ 40 प्रतिशत होगी। शेष 60 प्रतिशत हिस्सा घी की खुरचन का होगा। इसे तैयार करने में प्रयुक्त मशीन भी सस्ती है। संस्थान ने तकनीक का पेटेंट करा दिया है। अब इसे किसी कंपनी को बेचा जाएगा। इसके बाद डिब्बाबंद पाउडर बाजार में आएगा। इसमें पानी मिलाकर चंद मिनट में बाल मिठाई तैयार हो जाएगी।

घी की खुरचन से बाल मिठाई का स्वादिष्ट विकल्प
IVRI ने वेस्ट टू वेल्थ तकनीक का पेटेंट कराया
डेयरी संचालकों को अतिरिक्त आय का नया स्रोत मिलेगा

बीएचयू के छात्र की जाति पूछकर पिटाई

सपा छात्र सभा इकाई अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर, गिरफ्तार

वाराणसी,संवाददाता। बीएचयू के एक छात्र से जाति पूछकर पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में परास्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र प्रशांत मिश्र की क्लास में जाति पूछकर पिटाई की गई है। आरोप है कि समाजवादी छात्र सभा बीएचयू इकाई के अध्यक्ष हिमांशु यादव ने गाली गलौज करते हुए पिटाई की। मामले में पीड़ित छात्र ने लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया।

छात्र प्रशांत मिश्र ने पुलिस को बताया कि बुधवार की सुबह 11.45 बजे क्लास में था। इस दौरान हिमांशु यादव ने उससे जाति और कोर्स पूछा फिर उसकी पिटाई कर दी। आरोपी ने गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आजमगढ़ में तड़तड़ाई गोलियां

गोकशी में शामिल चार बदमाश गिरफ्तार
पुलिस की कार्रवाई में तीन घायल

आजमगढ़,संवाददाता। जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। इनमें से तीन बदमाश पुलिस की कार्रवाई में गोली लगने से घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जनपद के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें गोकशी की घटना में संलिप्त चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें तीन बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

क्या है पूरा मामला

एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि बुधवार की रात ग्राम झिन्झपुर सरैया में प्रतिबंधित पशु के अवशेष मिलने के मामले में संलिप्त बदमाशों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में देर रात मेहनाजपुर पुलिस क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी, तभी सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी सिधौना मार्ग होते हुए मानिकपुर की ओर आ रहे हैं और फिर से वारदात की फिराक में हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन बदमाश नहीं माने। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने नियंत्रित फायरिंग की, जिसमें तीन बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि एक को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मोहित उर्फ मोहीद उर्फ मुफीद (निवासी जौनपुर), अमन गोड़, एकलाख उर्फ पतरका और मोबिन उर्फ कलाम (सभी निवासी आजमगढ़) के रूप में हुई है। घायल अभियुक्तों में एकलाख उर्फ पतरका थाना देवगांव का हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर एक्ट का आरोपी बताया गया है।

छत पर टहल रही थी विवाहिता, सीढ़ी से छत पर चढ़ा मनबढ़– गला रेतकर की हत्या

गोरखपुर,संवाददाता। खुशबू अपने छत पर टहल रही थी। इसी बीच घर के बाहर लगी लोहे की सीढ़ी से पड़ोसी युवक सीताराम छत पर चढ़ गया। अभी खुशबू कुछ समझ पाती कि उसने चाकू से उसका गला रेत दिया। इसके बाद महिला का मोबाइल लेकर भाग निकला। वारदात को देख आसपास की छतों पर खड़े लोगों ने खुशबू के घरवालों को सूचना दी। इसके बाद आनन–फानन में खुशबू को लेकर गगहा स्थित सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस विवाहिता की ननद रिंकी की तहरीर पर पड़ोसी युवक सीताराम के खिलाफ हत्या व लूट की प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश में दबिश दे रही है। बांसगांव थाना के लाहीडाड़ी निवासी खुशबू की चार साल पहले गजपुर कटरा बाजार निवासी उपेंद्र से शादी हुई थी। उनकी कोई संतान नहीं है।

चार मार्च को उपेंद्र रोजगार के सिलसिले में दुबई चले गए। बुधवार शाम करीब सात बजे खुशबू अपने छत पर टहल रही थी। इसी बीच घर के बाहर लगी लोहे की सीढ़ी से पड़ोसी युवक सीताराम छत पर चढ़ गया। अभी खुशबू कुछ समझ पाती कि उसने चाकू से उसका गला रेत दिया। इसके बाद महिला का मोबाइल लेकर भाग निकला।

आजम खान पर फांसीघर की जमीन कब्जाने के मामले में 16 अप्रैल को तय होंगे आरोप

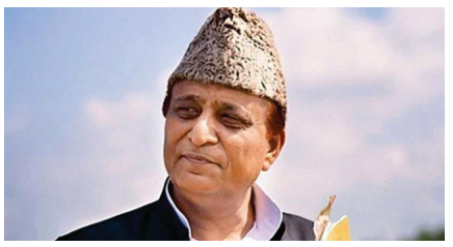

संवाददाता, रामपुर। सपा नेता आजम खान पर जेल के फांसीघर की जमीन कब्जाने के मामले में बुधवार को बचाव पक्ष की ओर से स्थगन प्रार्थना पत्र दिए जाने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में 16 अप्रैल को सुनवाई होगी। इसमें आजम खां समेत अन्य पर आरोप तय किए जाने हैं।

जेल में फांसीघर की जमीन कब्जाने का मामला गंज कोतवाली में 20 सितंबर 2019 को तत्कालीन नायब तहसीलदार कृष्ण गोपाल मिश्रा की ओर से कराया गया था। मुकदमे में 37 लोगों को नामजद किया था। इन सभी पर फांसी घर की जमीन की खरीद फरोख्त का आरोप है। नायाब तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस जमीन की बिक्री नहीं हो सकती, क्योंकि यह सरकारी है।

कागजों में हेराफेरी कर कुछ लोगों ने जमीन बेच दी। जमीन खरीदने के बाद लोगों ने घर भी बना लिए। पुलिस रिपोर्ट में जमीन बेचने और खरीदने वाले सभी को नामजद किया गया। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आए कि आजम खां के इशारे पर ही जमीन खरीदी गई है।

पूछताछ के दौरान खरीदारों ने यह बात कही कि उन्होंने आजम खां के कहने पर ही जमीन खरीदी थी। इसी आधार पर चार्जशीट में उनका नाम धारा 120 बी (षड्यंत्र रचने) में शामिल किया गया था। उनकी मां और बेटे भी नामजद हुए। मां की मौत हो चुकी है, इसलिए उनका नाम निकाल दिया गया, जबकि आजम खां और बेटे के नाम आरोप पत्र में शामिल किए गए थे। इस मामले की सुनवाई एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है।

पहले आधार कार्ड से होगी दूल्हा दुल्हन और गवाहों की पहचान

मुख्य सचिव के आदेश पर सभी उप निबंधक कार्यालयों में होगी व्यवस्था । अब नए साफ्टवेयर में ही विवाह पंजीकरण का आनलाइन आवेदन होगा।

मेरठ,संवाददाता। निबंधन विभाग में विवाह पंजीकरण में भी अब पहले दूल्हा–दुल्हन और दोनों पक्षों के गवाहों की पहचान बायोमीट्रिक से आधार का सत्यापन कराकर की जाएगी। इसके बाद विवाह पंजीकृत होगा।

फर्जीवाड़ा रोकने तथा वास्तविक लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव के आदेश पर यह व्यवस्था एक अप्रैल से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों पर शुरू की जानी थी, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे शुरू नहीं किया जा सका।

अब गुरुवार से यह नई व्यवस्था लागू होने का अनुमान है।

महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने इस संबंध में सभी जनपदों के एआइजी निबंधन को आदेश जारी किया है। विवाह पंजीकरण में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए विशेष रूप से एनआइसी शिविर कार्यालय लखनऊ द्वारा नया साफ्टवेयर विकसित किया गया है, जो कि बायोमीट्रिक की मदद से आधार का सत्यापन केंद्र के आधार के डेटा बेस से करेगा।

जिनके हाथों की अंगुलियां स्कैन नहीं होंगी, उनकी आंखों को आइरीस (आइआरआइएस) स्कैनर के माध्यम से स्कैन करके पहचान की जाएगी।

इस नए साफ्टवेयर में ही विवाह पंजीकरण का आनलाइन आवेदन किया जाएगा। जिसमें पहले आधार का सत्यापन ओटीपी के माध्यम से होगा।

इसके बाद उप निबंधक कार्यालय में बायोमीट्रिक होगी।

एआइजी शर्मा नवीन कुमार एस ने बताया कि जिले के सभी छह उप निबंधक कार्यालयों में इसके लिए बायोमीट्रिक आरडी डिवाइस उपलब्ध करा दी गई हैं। एआइजी ने बताया कि निबंधन विभाग में विवाह पंजीकरण उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियमावली 2017 के तहत शादी के बाद किया जाता है।

जिसमें दूल्हा, दुल्हन और गवाहों के पहचान पत्रों, फोटो और विवाह के प्रमाण के आधार पर पंजीकरण होता है।

अलग–अलग धर्म और जाति के दूल्हा–दुल्हन की शादी जिलाधिकारी न्यायालय में पंजीकृत कराई जाती है। जनपद के सभी छह कार्यालयों में रोजाना औसतन 25 और महीने में लगभग 600 विवाह पंजीकरण होते हैं। एक वर्ष के भीतर पंजीकरण कराने पर 10 रुपये फीस देनी होती है, जबकि विलंब होने पर 50 रुपये प्रतिवर्ष लगती है।

धर्मशाला ओवरब्रिज से विरासत गलियारे रोड तक हटाया गया अतिक्रमण

गोरखपुर में धर्मशाला ओवरब्रिज से विरासत गलियारे तक अतिक्रमण हटा।

अवैध ठेले, दुकानें और होर्डिंग हटाए गए, सामान जब्त हुआ। नियम तोड़ने वालों से 14,400 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

संवाददाता, गोरखपुर। व्यवस्थित और जाम मुक्त करने के लिए नगर निगम के प्रवर्तन दल की ओर से धर्मशाला ओवरब्रिज से लेकर विरासत गलियारे रोड तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। टीम ने कार्रवाई के दौरान सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से लगाए गए ठेला–खोमचों, अस्थाई दुकानों और अवैध होर्डिंग को हटाया। कार्रवाई के दौरान कई दुकानदारों द्वारा सड़क पर फैलाए गए सामान को भी जब्त किया गया।

प्रवर्तन दल का अभियान केवल सामान हटाने तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 14,400 रुपये का आर्थिक जुर्माना भी वसूला गया। इस दौरान अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा इन स्थानों पर अतिक्रमण पाया गया, तो और भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान मौके पर सुपरवाइजर शुभम तिवारी के नेतृत्व में प्रवर्तन दल के सदस्य और पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा। नगर निगम के राजस्व अधिकारी बीएन उपाध्याय ने कहा कि नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के निर्देश पर शहर के सुंदरी और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह अभियान निरंतर जारी है।

कुशीनगर और गोरखपुर हादसों में आठ की मौत, सीएम योगी ने दिए राहत के निर्देश

उत्तर प्रदेश में कुशीनगर सड़क हादसे में चार और गोरखपुर के मिर्जापुर घाट पर चार बच्चों के डूबने से कुल आठ लोगों की मौत हो गई।

संवाददाता, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में दो अलग–अलग हादसों ने प्रदेश को झकझोर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों घटनाओं का संज्ञान लेते हुए शोक व्यक्त किया और अधिकारियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। पहली घटना कुशीनगर में हुई, जहां एक सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और जिला प्रशासन को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने को कहा।

वहीं दूसरी घटना गोरखपुर के मिर्जापुर घाट पर हुई, जहां नदी में डूबने से 4 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे पर भी मुख्यमंत्री ने दुख जताते हुए अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आगामी पर्वों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

जहरीली शराब का कहर जारी

बिहार में अब तक चार लोगों की मौत, कई की हालत नाजुक

तिरहुत–मुजफ्फरपुर। मोतिहारी के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव में जहरीली स्प्रिट पीने से लोगों की मौत और गंभीर बीमारियों का सिलसिला जारी है। कल चंदू की मौत हुई थी, जबकि आज प्रमोद यादव की मौत हो गई। कई लोग अब भी बीमार हैं और इलाज करवा रहे हैं। मोतिहारी रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव में जहरीली स्प्रिट (शराब) पीने से लोगों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है।

कल एक व्यक्ति की मौत हुई थी, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। इसके अलावा एक व्यक्ति की आंखों की रोशनी चले जाने की खबर ने इलाके में हड़कंप मचा दिया।

मृतकों की संख्या बढ़ी, कई लोग अभी भी बीमार

मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों की संख्या दो से बढ़कर चार हो गई है। कल जहरीली शराब पीने से चंदू की मौत हुई थी। वहीं आज सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया परसौना निवासी प्रमोद यादव, परीक्षण मांझी और हीरालाल महतो की मौत हो गई। उनका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। सूत्रों के अनुसार, अभी भी कई लोग ऐसे हैं जो जहरीली शराब पीने से बीमार हैं और चोरी–चुपके इलाज करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गांव के कुछ लोगों ने शराब समझकर स्प्रिट का सेवन कर लिया। सेवन के कुछ ही देर बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान अबतक दो लोगों की मौत हो चुकी है। अभी अन्य कई पीड़ितों का इलाज जारी है।

आंखों की रोशनी प्रभावित, मामले की गंभीरता बढ़ी

डॉक्टरों के अनुसार, इस जहरीली शराब के सेवन से पहले आंखों की रोशनी प्रभावित होती है। इससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है।

गांव में भय और आक्रोश, अवैध शराब पर सवाल

घटना के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब और स्प्रिट का कारोबार चल रहा है, लेकिन इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। साथ ही अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर राज्य में लागू शराबबंदी कानून और उसकी प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौकीदार भरत रॉय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तुरकौलिया थाना कैभ्ज उमाशंकर मांझी को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। वहीं, रघुनाथपुर में हुई हत्या के मामले में भी केस दर्ज कर लिया गया है. हीरालाल भगत के परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

शूटर आशु का एनकाउंटर तीन गोलियों ने छलनी किया दिल और फेफड़े

सीने के हो गई थीं आर–पार, आठ माह पहले की थी शादी

मुरादाबाद,संवाददाता। मुठभेड़ में मारे गए शार्प शूटर आशु ऊर्फ मोंटी को तीन गोलियां लगीं थीं। तीनों सीने के आर–पार हो गईं थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि आशु को सीने में तीन गोलियां लगी थीं। तीनों गोलियां हार्ट और फेफड़ों को चीरते हुए पीठ से बाहर निकल गई थीं। मुरादाबाद के सिविल लाइंस इलाके में बुधवार की रात मुठभेड़ के दौरान उधम सिंह गैंग के शार्प शूटर आशु उर्फ मोंटी को सीने में पुलिस की तीन गोलियां लगी थीं। तीनों गोलियां हार्ट और फेफड़ों को चीरते हुए बाहर निकल गई थीं। बृहस्पतिवार की दोपहर दो डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम से इसकी पुष्टि हुई है। सिविल लाइंस के रामगंगा विहार स्थित शुभम ग्रीन विला निवासी अरशू ढल की कांठ रोड पर प्रेम नगर में वजीरचंद एक्सपोर्ट फर्म है। उन्होंने सिविल लाइंस थाने में 15 मार्च को शातिर बदमाश आशु और उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि 12 मार्च की रात करीब आठ बजे उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से मिस कॉल आई थी। इसके एक मिनट बाद व्हाट्सएप पर दोबारा कॉल आई। निर्यातक ने कॉल रिसीव की। फोन करने वाले ने अपना नाम आशु बताया और धमकी देते हुए पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी।

रकम नहीं देने पर हत्या करने की धमकी दी थी। दो दिन बाद उनकी फर्म पर भी बाइक सवारों ने फायरिंग की थी। एसएसपी ने आशु की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। हापुड़ के हाफिजपुर थाना क्षेत्र के मीरापुर निवासी आशु उर्फ मोंटी अपने साथी के साथ बुधवार को रंगदारी की रकम वसूलने पहुंचा था।

यूपी के 8 जिलों के 20 लाख जनधन खातों में एक पैसा नहीं

लखनऊ,संवाददाता। राज्य सरकार को भेजी गई जनधन खातों की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपी में कुल जनधन खातों की संख्या 10.22 करोड़ है। वहीं, देश में 57.58 करोड़ खाते हैं। उत्तर प्रदेश के 8 जिलों में खोले गए 20 लाख जनधन खातों में एक भी पैसा नहीं है। इनमें चार जिले पूर्वांचल और चार पश्चिमी यूपी के हैं। इनमें महिलाओं के खाते पुरुषों से ज्यादा हैं। ये खाते बैंकों के लिए बोझ बन गए हैं क्योंकि इन्हें सक्रिय रखने के लिए बैंकों को सालाना 700 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। वहीं, बैंकों ने शून्य बैलेंस वाले इन खातों को मनी म्यूल अकाउंट के रूप में संदिग्ध श्रेणी में डाल दिया है।

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं

चंडीगढ़,संवाददाता । आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को राज्यसभा में राघव चड्ढा की जगह उद्योगपति से सांसद बने अशोक मित्तल को पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया था। इसके बाद से राजनीति गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने अपने राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को गुरुवार को बड़ा झटका देते हुए उन्हें उच्च सदन में पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया था। साथ ही उन्हें सदन में बोलने के लिए समय आवंटित न करने का भी आग्रह किया था।

आखिर मेरे बोलने से किसी को क्या दिक्कत

राघव चड्ढा ने कहा कि मुझे जब भी राज्यसभा में बोलने का मौका मिलता है तो मैंने आम आदमी से जुड़े मुद्दों को ही उठाया है। क्या मैं गलत करता हूं। कोई मेरे बोलने पर रोक क्यों लगाना चाहता है। आखिर इन मुद्दों को उठाने से आम आदमी पार्टी का क्या नुकसान हुआ? आखिर क्यों कोई मुझे बोलने से रोकना चाहेगा। आम आदमी को मेरा साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आप से हूं और आपके लिए हूं। जिन्होंने मुझे बोलने से रोका है उन्हें मेरा संदेश है–मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना, मैं वो दरिया हूं जो वक्त आने पर सैलाब बनता है।

क्या है मामला

आम आदमी पार्टी ने सांसद राघव चड्ढा की जगह अब अशोक मित्तल को राज्यसभा में उपनेता नियुक्त किया है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को सूचित किया है कि चड्ढा को संसद में बोलने के लिए समय न दिया जाए। इसके कुछ समय बाद राघव चड्ढा ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया। वीडियो में उच्च सदन में उनके हस्तक्षेप थे, जिसे ष्बुरी नजरष् कैप्शन दिया गया।

राजनीति भी गरमाई

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाए जाने के मुद्दे पर दिल्ली भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस फैसले को पार्टी के अंदरूनी संकट और नेतृत्व की कमजोरी का संकेत बताया है। सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वह एक कमजोर नेता हैं, जिनमें न तो विपक्ष का सामना करने का साहस है और न ही अपनी पार्टी के भीतर उठ रहे असंतोष से निपटने की क्षमता है। सचदेवा ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल को अपने संसदीय दल का नेता चुनने का अधिकार है, लेकिन जिस तरह राघव चड्ढा को न केवल राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया, बल्कि उन्हें सदन में बोलने का समय न देने का अनुरोध भी किया गया, यह असामान्य और चिंताजनक है। यह कदम इस बात की ओर इशारा करता है कि चड्ढा ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व से दूरी बना ली है। उन्होंने कहा कि पहले स्वाति मालीवाल और अब राघव चड्ढा जैसे प्रमुख नेता केजरीवाल से दूरी बना चुके हैं, जो पार्टी के लिए गंभीर संकेत है।

यूपी के गांवों में बाप–दादा का नाम जिंदा रखने में बेटे फेल

गोरखपुर में मातृभूमि योजना धीमी गति से चल रही है जिससे गांवों का अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा

संवाददाता, गोरखपुर। शासन की महत्वाकांक्षी मातृभूमि योजना गोरखपुर जिले में अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रही है। प्रवासी लोगों को अपने गांव के विकास से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना का लाभ अभी तक सीमित दायरे में ही सिमटा हुआ है। करीब पांच वर्ष बीतने के बावजूद जिले की केवल चार–पांच ग्राम पंचायतों में ही छोटे स्तर पर विकास कार्य हो सके हैं, जिससे योजना की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं।

योजना के तहत विकास कार्यों में 60 प्रतिशत लागत संबंधित लाभार्थी या संस्था द्वारा और 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का प्रविधान है। इसके अंतर्गत सामुदायिक भवन, पुस्तकालय, पेयजल व्यवस्था, तालाब सुंदरीकरण, खेल मैदान, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क, सोलर लाइट, सीसीटीवी, ओपन जिम, बस स्टैंड, आंगनबाड़ी केंद्र समेत कई आधारभूत सुविधाओं के निर्माण की अनुमति दी गई है। इसके बावजूद अधिकांश प्रवासी इसमें रुचि नहीं दिखा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नई पीढ़ी का अपने गांव और पूर्वजों की विरासत से भावनात्मक जुड़ाव कमजोर होना इसकी बड़ी वजह है। जो लोग रोजगार या व्यवसाय के सिलसिले में बड़े शहरों या विदेशों में बस गए हैं, वे गांव के विकास में आर्थिक योगदान देने के प्रति उतने सक्रिय नहीं दिख रहे। जबकि यह वर्ग आर्थिक रूप से सक्षम माना जाता है। दूसरी ओर, योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रचार–प्रसार की कमी भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरी है। ग्रामीण स्तर पर न तो इसकी पर्याप्त जानकारी पहुंच पाई है और न ही प्रवासियों के लिए कोई सशक्त और व्यवस्थित प्लेटफार्म विकसित किया जा सका है, जिससे वे आसानी से जुड़ सकें।शासन स्तर पर यह व्यवस्था की गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था ग्राम पंचायत क्षेत्र में विकास कार्य कराना चाहती है, तो पंचायत राज अधिनियम की धारा–15 के तहत अनुमन्य कार्यों में सहयोग कर सकती है। सहयोग करने वाले की ओर से अपने माता, पिता, दादा–दादी, भाई आदि का नाम शिलापट्ट पर प्रदर्शित करने का भी प्रविधान है, जिससे उन्हें सामाजिक पहचान मिल सके।

जानें 'भूत बंगला' के स्टार कास्ट की फीस

एंटरटेनमेंट डेस्क। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म भूत बंगला 10 अप्रैल को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. चलिए फिल्म की रिलीज से पहले जानते हैं कि स्टारकास्ट को कितनी फीस मिली है.
अक्षय कुमार की मच अवेटेड फिल्म भूत बंगला को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है. क्योंकि, अक्षय और प्रियदर्शन की जब–जब जोड़ी बनी है बॉक्स ऑफिस पर कमाल हुआ है.
भूत बंगला फिल्म में अक्षय कुमार लीड एक्टर के दौर पर नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के लिए उन्होंने मेकर्स की तिजोरी खाली कर दी है.
दरअसल, अक्षय को फिल्म के लिए 50 करोड़ रुपये की फीस मिली है.
राजपाल यादव पिछले दिनों चेक बाउंस मामले में जेल गए थे. तबसे लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं.
भूत बंगला फिल्म के लिए उन्हें 1 करोड़ रुपये फीस मिली है. भूत बंगला में एक बार फिर से परेश रावल और अक्षय कुमार की जोड़ी नजर आने वाली है. इस फिल्म के लिए परेशा रावल को 2 करोड़ रुपये फीस मिली है. वामिका गब्बी को भूत बंगला फिल्म में अक्षय कुमार के संग रोमांस करते हुए देखा जाएगा. इस फिल्म में अपने रोल के लिए एक्ट्रेस ने 3 करोड़ रुपये की फीस ली है।

'मुझे नहीं पता वो है या नहीं' धुरंधर २

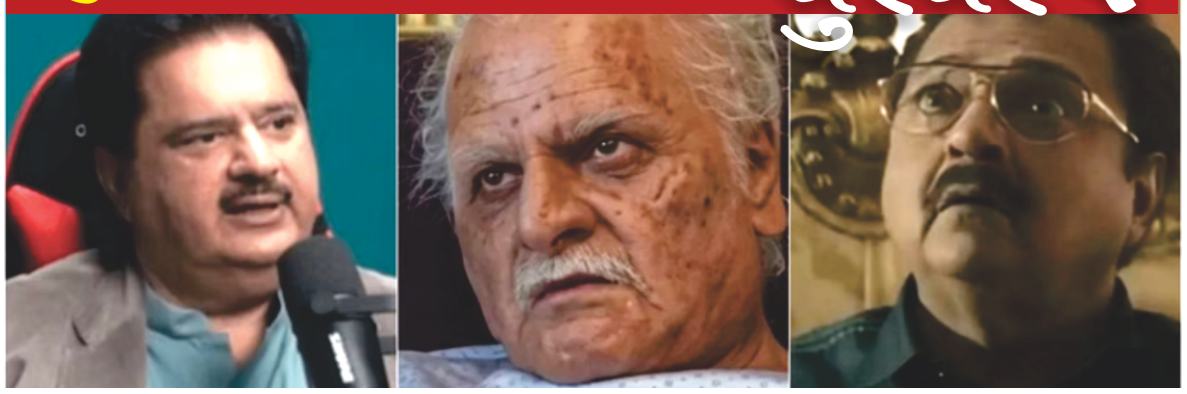

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' सिनेमाघरों में धमाल कर रही है। इस फिल्म में कुख्यात आतंकी दाऊद इब्राहिम को भी दिखाया गया है। इस पर पाकिस्तानी राजनेता नबील गबोल ने प्रतिक्रिया दी है। रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही यह फिल्म 900 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। इस फिल्म ने पाकिस्तानी राजनेता नबील गबोल को लोगों की नजरों में ला दिया है। दरअसल, इस फिल्म में राकेश बेदी के किरदार जमील जमाली को दर्शक नबील गबोल से प्रेरित मान रहे हैं। हाल ही में नबील ने फिल्म में गैंगस्टर और आतंकवादी दाऊद इब्राहिम को दिखाए जाने पर रिएक्शन दिया है।

क्या दाऊद से हुई है नबील गबोल की मुलाकात?

फिल्म 'धुरंधर 2' में दाऊद इब्राहिम के किरदार को 'बड़े साहब' के नाम से दिखाया गया है। उसे कराची में रहने वाले एक कमजोर बुजुर्ग के रूप में दिखाया गया है, जो बिस्तर पर पड़ा रहता है। नबील गबोल से जब दाऊद के रोल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह दाऊद से कभी नहीं मिले हैं और उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि वह कराची में रहता है या नहीं।

नबील गबोल ने क्या कहा?

नबील गबोल से 'क्यों घंटी बजी' के होस्ट के साथ बातचीत के दौरान पूछा गया, 'हमारे मुंबई से एक पड़ोसी कराची में रहते हैं, जिन्हें 'बड़े साहब' कहा जाता है। क्या आप उनसे कभी मिले हैं'? इस पर पाकिस्तानी राजनेता ने जवाब दिया, 'वह उस शख्स से कभी नहीं मिले और न ही उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उसके बारे में कभी कुछ सुना है। उन्होंने बताया कि मीडिया और फिल्म के अनुसार दाऊद इब्राहिम कराची के क्लिफ्टन इलाके में रहता है, जो उनके घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर है, लेकिन उन्हें उसके बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी या अनुभव नहीं है।

दाऊद की हेल्थ पर कही ये बात

नबील गबोल ने फिल्म में दाऊद इब्राहिम की हेल्थ को दिखाए जाने पर भी कमेंट किया और कहा, 'फिल्म 'धुरंधर' में दिखाया है कि वो डेथ बेड पर है और मरने वाले हैं। जमील के इंजेक्शन देने के बाद, लेकिन मुझे नहीं पता कि वो हैं या नहीं हैं'। बता दें कि नबील गाबोल से जुड़ा किरदार जमील जमाली फिल्म धुरंधर–2 में कराची में रहने वाले एक तेज–तर्रार और चालाक पॉलिटिशियन के तौर पर दिखाया गया है। वहीं, दाऊद का किरदार एक्टर दानिश इकबाल ने निभाया है। आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर 2' को ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है।

अवनीत कौर का जलवा

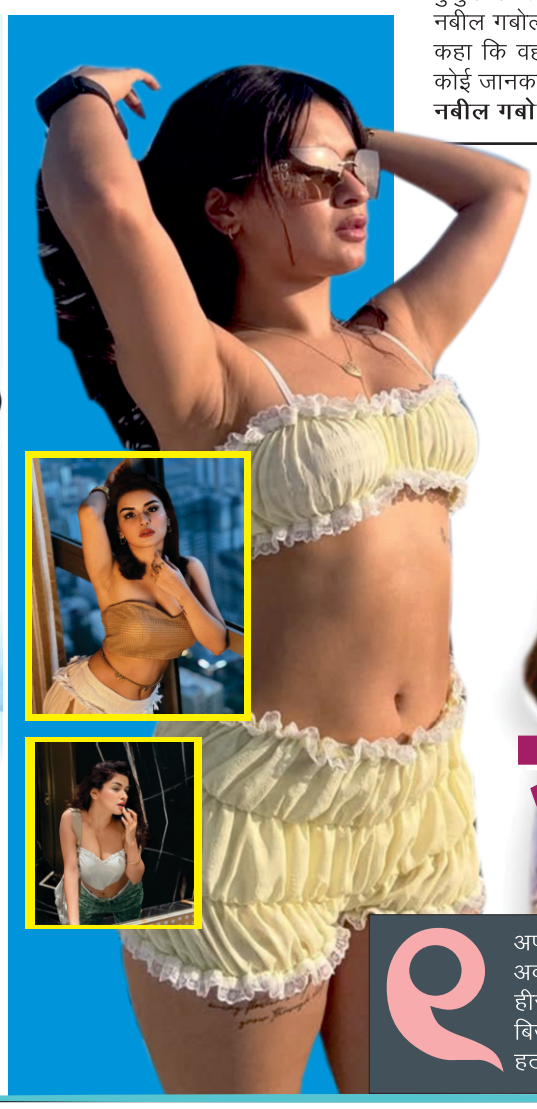

अपने कातिलाना फिगर की वजह से चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर को हाल ही में एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया गया. हीरोइन ने हाथों में प्राडा का बैग लिए रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरा. ब्लैक आउटफिट और ग्लोइंग फेस से फैंस का नजरें हटाना मुश्किल हो गया. आप भी देखिए ये वीडियो।

किसी ने भेजा मैरिज प्रपोजल

अप्रैल फूल के मौके पर जानते हैं बॉलीवुड सितारों से जुड़े उन प्रैंक्स के बारे में, जहां उन्होंने अपने को–एक्टर्स को ही डराया। लिस्ट में अक्षय, आमिर अजय देवगन से लेकर शाहिद और सिद्धार्थ तक के नाम शामिल हैं।

मुम्बई,एजेंसी। अप्रैल है यानी अप्रैल फूल डे। इस दिन लोग अपने दोस्तों–यारों के साथ प्रैंक और मस्ती–मजाक करते हैं। बॉलीवुड में भी कई ऐसे सेलेब्स हैं, जो फिल्मों के सेट पर और अपने को–एक्टर्स के साथ प्रैंक करने के लिए जाने जाते हैं। इनमें सबसे पहले अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे स्टार्स का नाम आता है। इन दोनों के प्रैंक्स के कई किस्से काफी मशहूर हैं, जिन्हें उनके को–एक्टर्स ने ही साझा किया है। इसके अलावा भी बॉलीवुड में प्रैंक का खेल खेला जाता रहता है। आज अप्रैल फूल के दिन पर जानते हैं बॉलीवुड स्टार्स द्वारा किए गए कुछ ऐसे ही मजेदार और मस्ती भरे प्रैंक्स के बारे में।

जब अजय देवगन ने खिलाया मिर्च वाला गाजर का हलवा

अजय देवगन को इंडस्ट्री का प्रैंक मास्टर माना जाता है। उनके प्रैंक के कई किस्से काफी मशहूर हैं। ऐसा ही एक किस्सा है फिल्म 'सन ऑफ सरदार' की शूटिंग के दौरान का। जब उन्होंने गाजर के हलवे में मिर्ची पाउडर मिला दिया था। अजय के साथ 'सन ऑफ सरदार' में काम करने वाले अभिनेता अर्जन बाजवा ने एक बातचीत में बताया था कि एक दिन अजय ने सेट पर उन्हें गाजर का हलवा परोसा, जिसमें मिर्च पाउडर मिला हुआ था। उन्होंने हलवा देते हुए कहा कि यह अब तक का सबसे बेहतरीन गाजर का हलवा है। अर्जन ने तो पहले बड़े चाव से हलवा खाया, लेकिन जल्द ही उन्हें पता चल गया कि उसमे मिर्च पाउडर मिला हुआ है।

अभिनेता अक्षय कुमार अपने मजाक करने की आदत के लिए भी बॉलीवुड गलियारों में मशहूर हैं। एक बार कपिल शर्मा शो पर 'जॉली एलएलबी 2' की उनकी को–स्टार हुमा कुरैशी ने बताया कि कैसे अक्षय ने उनके साथ प्रैंक किया। शूटिंग के दौरान अक्षय ने चुपके से हुमा का फोन ले लिया और बिना उनकी जानकारी के कई बॉलीवुड एक्टर्स को शादी का प्रपोजल भेज दिया। जब इस बात का हुमा को पता चला तो वह शर्मा गईं और उन्होंने उन लोगों को मैसेज भेजकर इस बारे में स्पष्ट किया।

'संयुक्ता ने बताया किस एक्टर के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी'

एंटरटेनमेंट डेस्क। धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

धनुष को बताया शानदार एक्टर

इंडिया टुडे के साथ हालिया बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है।

अपने काम में मस्त रहते हैं धनुष

'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं। कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं।

ललित मोदी ने क्यों खोया आपा

आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ने संजीव गोयनका पर साधा निशाना, बीसीसीआई से की ये मांग

नई दिल्ली,एजेंसी । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका पर निशाना साधा है। ललित मोदी ने गोयनका की आलोचना करते हुए विवादित बयान दिया है। इतना ही नहीं ललित मोदी ने बीसीसीआई से बड़ी मांग भी कर दी है।

आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से टीम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। ये पहली बार नहीं है जब ललित मोदी ने गोयनका पर निशाना साधा है। इससे पहले भी वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक पर अपनी भड़ास निकाल चुके हैं। मालूम हो कि ललित मोदी को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है और वह लंबे समय से देश से बाहर है।

एक्स पर निकाली भड़ास

ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका आईपीएल में टीम के मालिक बनने के लायक नहीं हैं। मैं उनके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए। अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम का मालिकाना हक हमेशा के लिए छीन लेता। गोयनका घमंडी हैं। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे, ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे।

लखनऊ ने दिया था स्पष्टीकरण

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए संजीव गोयनका और ऋषभ पंत के बीच सबकुछ ठीक होने का स्पष्टीकरण दिया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि आप जो कुछ भी देख रहे हैं वह सच नहीं है। यहां मैच के बाद की अनफिल्टर्ड वाइब्स हैं, जब कैमरे कट नहीं करते। मैच के बाद संजीव गोयनका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, यह एक लंबा सीजन है और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से वापसी करेंगे। हमारे फैंस, इकाना में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

ट्रेनिंग में लौटे एमएस धोनी | बल्लेबाजी का किया अभ्यास

स्पोर्ट्स डेस्क। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई के अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। धोनी चोट के कारण पिछला मैच नहीं खेल सके थे और माना जा रहा है कि वह पंजाब के खिलाफ भी नहीं खेल सकेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह ट्रेनिंग में लौट चुके हैं। 44 साल के धोनी चोट के कारण आईपीएल 2026 में हिस्सा नहीं ले पाए हैं और फ्रेंचाइजी ने बताया था कि वह दो सप्ताह तक बाहर रह सकते हैं। हालांकि, ट्रेनिंग करने से अब यह चर्चा शुरू हो गई है कि क्या धोनी जल्द मैदान पर उतरते हुए नजर आएंगे। सीएसके का पंजाब किंग्स से सामना होना है और इससे पहले ही धोनी नेट्स पर लौटे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले धोनी एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में हल्की फिटनेस ड्रिल करते नजर आए, लेकिन उन्होंने टीम के साथ पूर्ण रूप से अभ्यास नहीं किया। धोनी ने नेट्स पर कुछ समय तक बल्लेबाजी अभ्यास किया, लेकिन उन्होंने विकेटकीपिंग ड्रिल नहीं की। वहीं, संजू सैमसन अभ्यास के दौरान विकेटकीपिंग करते नजर आए। माना जा रहा है कि धोनी चोट से उबरने के करीब हैं, लेकिन मैच खेलने के लिए अभी पूरी तरह तैयार नहीं हैं।

ब्रेविस ने भी ट्रेनिंग में लिया हिस्सा

धोनी के अलावा सीएसके के अन्य खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस ने भी ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। हालांकि, उन्होंने बस हल्की शॉर्ट रन ड्रिल की और टीम फिजियो के साथ चर्चा करते नजर आए। धोनी भले ही ट्रेनिंग में लौट गए हैं, लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच का हिस्सा होंगे या नहीं। सीएसके के टीम प्रबंधन धोनी को लेकर जल्दबाजी नहीं करना चाहेगा क्योंकि टूर्नामेंट काफी लंबा है। टीम के पास विकेटकीपर के तौर पर पहले से ही संजू सैमसन का विकल्प मौजूद है।

जीत का खाता खोलने उतरेगी चेन्नई

सीएसके की टीम पंजाब के खिलाफ मैच में जीत का खाता खोलने उतरेगी। सीएसके को अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामन ा करना पड़ा था। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके की टीम मौजूदा सीजन में पहली बार अपने होम ग्राउंड पर खेलने उतरेगी।

फाइनल देखने के लिए देने होंगे 10 लाख से ज्यादा

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा विश्वकप 2026 के फाइनल मुकाबले के टिकटों की कीमत 10 लाख रुपये से भी ज्यादा पहुंच गई है, जो हाल ही में हुए टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के टिकट से करीब 13 गुना अधिक है। डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम के कारण टिकटों की कीमत लगातार बढ़ रही है, जिससे आम फैंस के लिए मैच देखना मुश्किल होता जा रहा है। वहीं, भारी डिमांड और सीमित उपलब्धता ने कीमतों को और बढ़ा दिया है, जिससे यह टूर्नामेंट अब तक का सबसे महंगा वर्ल्ड कप बन सकता है।

फीफा विश्वकप 2026 का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। इस बार यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होगा। हालांकि, फीफा ने फैंस को बड़ा झटका दिया है।

फीफा ने विश्वकप की 48 टीमों के तय हो जाने के बाद फाइनल के लिए टिकट की अधिकतम कीमत बढ़ाकर 10,990 अमेरिकी डॉलर यानी 10.28 लाख भारतीय रुपये कर दी हैं। दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद जब फीफा ने टिकट बेचे थे तब श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 यूएस डॉलर थी यानी 8.12 लाख रुपये। यह दाम हाल ही में अहमदाबाद में हुए टी20 विश्वकप के फाइनल की टिकट की दाम से लगभग 13 गुना ज्यादा है। आइए जानते हैं पूरा मामला...

किन टिकटों के दाम में हुआ इजाफा?

न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 अमेरिकी डॉलर यानी 6.90 लाख रुपये कर दी गई है, जो पहले 5,575 अमेरिकी डॉलर थी यानी कि 5. 22 लाख रुपये। इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 यूएस डॉलर (5.41 लाख भारतीय रुपये) कर दी गई है जो पहले की कीमत से 4,185 डॉलर यानी 3.92 लाख रुपये अधिक है। पहले श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत एक लाख 49 हजार रुपये थी।

किस कारण अभिषेक पर चला आईपीएल का चाबुक

आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करना अभिषेक को पड़ा भारी

स्पोर्ट्स डेस्क। अभिषेक शर्मा ने केकेआर के खिलाफ दमदार पारी खेली थी और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के चलते उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर आईपीएल का चाबुक चला। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है, जबकि उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। बताया जा रहा है कि अभिषेक के खिलाफ यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने मैच के दौरान अपशब्द कहे थे और अंपायर के फैसले पर असहमति जताई थी।

मैच रेफरी ने अभिषेक पर आईपीएल की आचार संहिता के 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगाया जो मैच के दौरान अपशब्द कहने से जुड़ा है। अभिषेक ने इस जुर्माने को स्वीकार किया। आईपीएल के बयान के अनुसार, सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा पर आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी मिला है। यह उल्लंघन उन्होंने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान किया था। उन्होंने आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के तहत लेवल–1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मान लिया। आचार संहिता के लेवल–1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।